an>

Title: Need to honour Jyotirao Phule and Savitribai Jyotirao Phule with Bharat Ratna.

श्री राजीव सातव (हिंगोली) : मैं भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान "भारत रत्न"" के लिए सरकार का ध्यान महाराष्ट्र के प्रसिद्ध विचारक, समाज सुधारक, महात्मा ज्योतिराव गोविन्दराव फूले जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के गुरू भी हैं और उनकी समाज सुधारक पत्नी तथा कवियित्री सावित्रीबाई ज्योतिराव फूले की ओर दिलाना चाहता हूं जिनका स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान महिलाओं के अधिकारों में सुधार के प्रति महत्वपूर्ण योगदान है तथा जिन्हें आधुनिक भारत के महिलावादी के रूप में भी मान्यता मिली हुई है। उन दोनों ने समाज की प्रमुख समस्या और बुराई 'जाति प्रथा" तथा उससे उत्पन्न असमानता का खुलकर विरोध किया और इन्हें दूर करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किये। इन दोनों ने देश में न केवल शिक्षा खासकर महिला शिक्षा के प्रति जन चेतना जगाने का काम किया है। इन्होंने तत्कालीन विधवाओं की अमानवीय दशा सुधारने के लिए भी लम्बे समय तक देश में आन्दोलन और जनजागरण किया।

इन तथ्यों और योगदानों को दृष्टिगत करते हुए प्रतीत होता है कि वर्तमान में हमने अपने इतिहास के इन दो महान व्यक्तित्व को उचित सम्मान नहीं दिया है। अभी सदन में अम्बेडकर जयन्ती और संविधान दिवस मनाया गया। आज के इस सामाजिक माहौल में इन दोनों के योगदान को 'भारत रत्न" के माध्यम से सम्मानित करना, उन सभी उपेक्षित जन समुदाय और महिलाओं को सम्मानित करने के बराबर होगा। साथ ही समाज के वंचित वर्गों और जात-पात के नाम पर दबे-कुचले लोगों के बीच इससे एक महत्वपूर्ण संदेश जाएगा जो उनके सशक्तीकरण के लिए एक प्रभावी कदम भी साबित होगा। यदि इन्हें भारत रत्न देने के प्रति सरकार कदम उठाती है तो यह न केवल दोनों व्यक्तित्व का सम्मान होगा अपितु महाराष्ट्र एवं भारत की समग्र जनता का भी सम्मान होगा।